Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006
Participants : Maheshwari Smt. Kiran,Rawat Prof. Rasa Singh

an>

Title : Need to provide compensation to the farmers whose crops have been affected due to unseasonal rains and hailstorm in Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आज्ञा से बोलते हुए सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि राजस्थान में लगातार बेमौसम की बरसात और ओलावृटि के कारण प्रदेश में करीब 2-2.5 अरब रूपए की फसल नट हो गयी है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान हड़ौती क्षेत्र में बारा जिले में हुआ है, जहां लगभग एक अरब रूपए का नुकसान हुआ है। साथ ही झालावाड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, भरतपुर, अलवर, अजमेर, बाड़मेर, चित्तौड़, सीकर, जालौर, राजसमंद आदि लगभग एक दर्जन जिलों में सरसों, गेहूं, जौ आदि फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। बेमौसम बारिश की वजह से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रकृति ने हमारी सारी आशाएं तोड़ दी हैं। 140 लाख हेक्टेअर के लक्ष्य के मुकाबले केवल 134 लाख हेक्टेअर में रबी की फसल की बुआई की गयी थी। पहले मौसम अनुकूल था, कोई रोग या बीमारी भी नहीं थी, इसलिए सरसों की बम्पर पैदा वार होने का अनुमान था। लगभग 42 लाख टन सरसों पैदा होने का अनुमान किया गया था लेकिन होली से ठीक पहले होने वाली बारिश और ओलावृटि से 70 प्रतिशत तक फसलें बर्बाद हो गयी हैं। अफीम और धनिया की फसल को भी काफी नुकसान पहुंचा है। बारिश और ओलावृटि से लगभग 250 भेंड़ और बकरियां भी काल का ग्रास बन गयी हैं। 1.55 लाख हेक्टेअर क्षेत्र में सरसों और 40 हजार हेक्टेअर क्षेत्र में धनिया की फसल का नुकसान हुआ है। प्रदेश के 15 जिलों के 377 गांवों में ओलावृटि से फसलों और जन-धन की भारी हानि हुई है। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि राज्य सरकार तो अपने सीमित साधनों से जो कुछ भी हो सकता है, प्रयास कर रही है। लेकिन नुकसान इतना बड़ा है कि केन्द्र सरकार को भी आगे आना चाहिए और इस प्राकृतिक आपदा के समय, राट्रीय आपदा कोा और आकस्मिक निधि से राजस्थान को विशेा आर्थिक पैकेज दिया जाए और किसानों को मुआवजा दिया जाए।

मान्यवर, इसके साथ ही मैं एक अन्य प्रार्थना करूंगा कि सहायता करने के जो मापदण्ड हैं, उनमें परि वर्तन किया जाए ताकि किसानों को ज्यादा राहत मिल सके, मुआवजे की राशि में बढ़ोत्तरी हो सके और किसानों के फसली ऋण भी माफ किए जाएं।

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : महोदय, मैं रावत जी की बात के साथ अपनी बात एसोसिएट करना चाहती हूँ।

MR. SPEAKER: No, without notice you cannot.